University in News on 31 July 2024

HINDUSTAN PAGE 8

एलयू में होगी प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस पद की शुरुआत

फैसला

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय में यूजीसी के निर्देश पर प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस के पद पर नियुक्ति की शुरूआत होगी। जिसके जरिए अलग-अलग क्षेत्रों के विशेषज्ञ विश्वविद्यालय में आकर पढ़ाएंगे। इससे विद्यार्थियों को व्यवहारिक ज्ञान भी मिलेगा। बुधवार को एकेडमिक काउंसिल की बैठक में फैसला होगा।

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय का कहना है कि नई शिक्षा नीति के तहत देश के उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस योजना की पहल विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने की है। विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों में उद्योग, वाणिज्य, इंजीनियरिंग, विज्ञान, प्रौद्योगिकी, उद्यमिता, सामाजिक विज्ञान, मीडिया, साहित्य व कला क्षेत्र के विशेषज्ञ शामिल हो सकते हैं।

पीएचडी या नेट अनिवार्यता नहीं होगी: प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस वह लोग हो सकते हैं जो अपने मूल व्यवसाय से शिक्षक नहीं हैं और न ही उनके पास विश्वविद्यालय में शिक्षण कार्य के लिए पीएचडी या यूजीसी नेट जैसी निर्धारित योग्यता है। विश्वविद्यालय उनके व्यापक प्रोफेशनल अनुभव के आधार पर छात्रों को पढ़ाने के लिए नियुक्त कर सकते हैं। प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस छात्रों को ऐसे विषय पढ़ाएंगे, जिसमें उनका लंबा प्रोफेशनल अनुभव है।

10 फीसदी संख्या होगी कुल सृजित पदों के अनुसार

- आज एकेडमिक काउंसिल की बैठक में मिलेगी मंजूरी
- विभिन्न विभागों में क्षेत्रों के विशेषज्ञ आकर पढ़ाएंगे

इन बड़े फैसलों पर भी लगेगी आज मुहर

एकेडमिक काउंसिल बैठक में विभिन्न विभागों की बोर्ड ऑफ स्टडीज में लिए गए फैसलों को रखा जाएगा। इसी तरह मल्टीपल एंट्री, बीबीए, एमबीए, एमबीए बिजनेस एनालिटिक्स और एमए स्तर के कई विषयों में ऑनलाइन कार्यक्रम आरंभ करने संबंधित प्रस्ताव पर भी मुहर लगाई जाएगी।

एलयू का तीसरा कैंपस अब सरोजनीनगर क्षेत्र में बनेगा

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय का तीसरा परिसर सरोजनीनगर विधानसभा क्षेत्र के पिपरसंड ग्राम पंचायत में स्थापित किया जाएगा। यहां एलयू के कृषि संकाय का संचालन होगा। सरोजनीनगर तहसील प्रशासन की आठ सदस्यीय समिति ने भूमि चिन्हित कर ली है। विश्वविद्यालय का यह नया कैंपस कृषि अनुसंधान और विकास के क्षेत्र में अहम कार्य करेगा।

सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने बताया कि एलयू के इस नए कैंपस से युवाओं और खास तौर से सरोजनीनगर के छात्र-छात्राओं को पढ़ाई के नये अवसर मिलेंगे। कुलपति प्रो. आलोक राय ने बताया कि एलयू ने तीसरे परिसर के लिए शासन से जमीन की मांग की थी। अभी विश्वविद्यालय को जमीन आवंटन के संबंध में किसी भी तरह का पत्र प्राप्त नहीं हुआ है। जैसे ही आदेश की प्राप्ति होगी, हम पाठ्यक्रम का संचालन शुरू कर देंगे।

कुलपति का कहना है कि विधायक राजेश्वर सिंह ने छात्रों के हित में कई बार विश्वविद्यालय को जमीन आवंटन के संबंध में प्रयास किया है। प्रो. राय के मुताबिक तीसरे परिसर में कृषि संकाय को शुरू किया जाएगा।

i-NEXT PAGE 3

सरोजनीनगर में होगा अब एलयू का थर्ड कैंपस

जमीन चिह्नित करने के लिए राजस्व विभाग की टीम गठित

CONCEPT PIC

LUCKNOW (30 July): लखनऊ विश्वविद्यालय (एलयू) अपने शैक्षणिक विस्तार को आगे बढ़ा रहा है. अब विश्वविद्यालय का तीसरा कैंपस सरोजनीनगर में खोलने की योजना को गति मिली है. यहां पिपरसंड गांव में विश्वविद्यालय के लिए जमीन चिह्नित की जा रही है, जहां विश्वविद्यालय का कृषि संकाय खुलेगा. कृषि शिक्षा को आगे बढ़ाने के लिए यह परिसर उत्तर प्रदेश के लिए उपयोगी रहेगा.

आठ सदस्यीय समिति बनी

सरोजनी नगर के उप-विभागीय मजिस्ट्रेट (एसडीएम) गोवर्धन कुमार शुक्ला के निर्देशन में इसके लिए भूमि का चिह्नित करने के लिए आठ सदस्यीय समिति बनाई गई है. यह राजस्व टीम पिपरसंड स्थित कृषि विभाग की भूमि का चिह्नांकन कर अपनी रिपोर्ट देगी. इसके बाद विश्वविद्यालय को भूमि का हस्तांतरण किया जाएगा. लखनऊ विश्वविद्यालय के इस तीसरे परिसर में कृषि संकाय की सुविधा होगी. यह कदम विश्वविद्यालय की सुविधाओं के विस्तार के साथ-साथ क्षेत्रीय शिक्षा के स्तर को भी ऊंचा उठाएगा.

विवि में विभाग और प्रोग्राम

संकाय	10
विभाग	47
स्नातक कार्यक्रम	15
परास्नातक कार्यक्रम	16
संस्थान	18
जुड़े कालेज	561

प्रस्ताव शासन को भेजा गया

एलयू कुलपति प्रो. आलोक राय ने बताया कि पिछले वर्ष कृषि संकाय बनाने के लिए भूमि का प्रस्ताव शासन को भेजा गया था. उस दिशा में अब एलयू आगे बढ़ा है. यह नया परिसर विश्वविद्यालय की शैक्षिक और शोध क्षमताओं को और मजबूत करेगा, खासकर कृषि क्षेत्र में और विस्तार मिलेगा. साथ ही भविष्य में यह परिसर चिकित्सा संकाय की पुनरावृत्ति का आधार भी बन सकता है, जिसमें पैरामेडिकल शिक्षा शामिल होगी.

104 वर्ष का एलयू का सफर

1865	1866	1878	1991	2024
लार्ड कैनिंग की स्मृति में अमीनाबाद में दो कमरों का स्कूल खुला.	इसे कैनिंग कालेज में अपग्रेड किया गया.	कालेज को बादशाही बाग, हसनगंज में स्थायी पता मिला.	75 एकड़ भूमि पर विश्वविद्यालय का दूसरा परिसर जानकीपुरम विस्तार में स्थापित हुआ.	लखनऊ विश्वविद्यालय के तीसरे परिसर के लिए जमीन चिन्हित करने की प्रक्रिया शुरू.

1920 | में लखनऊ विश्वविद्यालय बना

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

लविवि के तीसरे परिसर के लिए जमीन चिह्नित

कृषि संकाय के नाम से सरोजनीनगर के पिपरसंड में बनेगा कैंपस

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय जल्द ही अपने तीसरे परिसर का शिलान्यास करने जा रहा है। कृषि संकाय के नाम से बनने वाले इस तीसरे परिसर के लिए जमीन चिह्नित कर ली गई है। सरोजनीनगर विधानसभा क्षेत्र के पिपरसंड गांव में कैंपस की स्थापना होगी।

सरोजनीनगर क्षेत्र के विधायक राजेश्वर सिंह ने लविवि के कृषि संकाय के लिए जमीन उपलब्ध कराने के लिए बीते दिनों मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात कर जमीन देने के लिए अनुरोध किया था। इसके बाद शासन की ओर से सरोजनीनगर के उप जिलाधिकारी को इस संबंध में कार्रवाई के निर्देश दिए गए थे।

एसडीएम ने शासन के आदेश पर राजस्व कर्मियों की आठ सदस्यीय समिति गठित कर कार्य पूर्ण करवाने के आदेश जारी किए थे। अब कृषि संकाय के लिए जमीन चिह्नित कर ली गई है।

कृषि अनुसंधान व खाद्य प्रसंस्करण की होगी पढ़ाई

- प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि लविवि के तीसरे परिसर के लिए जमीन मिलना विश्वविद्यालय के लिए गर्व की बात है। इस परिसर की स्थापना ही कृषि संकाय के रूप में होगी। इसलिए यहां कृषि अनुसंधान एवं खाद्य प्रसंस्करण की पढ़ाई कराई जाएगी। इससे विद्यार्थी कृषि से संबंधित विभिन्न विधियों में पारंगतता हासिल करने के साथ ही उसके विशेषज्ञ बन सकेंगे। इस समय लखनऊ विश्वविद्यालय में बीएससी एग्रीकल्चर और एमएससी एग्रीकल्चर कोर्स चल रहे हैं। इसमें विद्यार्थी को स्नातक व परास्नातक की उपाधि मिलती है।

विधायक ने ट्वीट के माध्यम से दी जानकारी

- विधायक राजेश्वर सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर लविवि के तीसरे परिसर के लिए जमीन उपलब्ध कराए जाने की जानकारी दी है। कृषि संकाय के लिए जमीन देने के लिए उन्होंने मुख्यमंत्री को धन्यवाद भी प्रेषित किया है।

राजस्व टीम कर रही चिह्नांकन

"लविवि के कृषि संकाय के लिए भूमि का चयन कर लिया गया है। प्रशासन की ओर से गठित टीम भूमि का चिह्नांकन कर रही है। इस टीम में कृषि, भूमि सुधार और तहसील प्रशासन के आठ राजस्व अधिकारी शामिल हैं। जल्द ही यह कार्य पूरा कर लिया जाएगा।
-फाल्गुनी सिंह, एसडीएम सरोजनीनगर

दो वर्षीय परास्नातक के साथ शुरू होगा एक साल का पीजी

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में एक वर्षीय परास्नातक और दो वर्षीय परास्नातक कोर्स साथ-साथ संचालित होंगे। विद्यार्थियों को इच्छा के मुताबिक, दोनों तरह के पीजी कोर्स में दाखिला लेने की सुविधा होगी। दोनों कोर्सों का अध्यादेश तैयार हो चुका है, बुधवार को होने वाली विद्या परिषद (एकेडमिक काउंसिल) में इस पर मुहर लगाई जाएगी।

लखनऊ विश्वविद्यालय में सत्र 2020-21 से राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू हुई थी। इसके अंतर्गत विवि में स्नातक को तीन वर्षीय पाठ्यक्रम की जगह चार वर्ष का कर दिया गया है। चार साल का स्नातक करने वाले विद्यार्थियों के लिए एक वर्षीय परास्नातक करने का विकल्प होगा। जबकि वह चाहें तो दो वर्षीय पीजी में भी प्रवेश ले सकते हैं।

वहीं एकवर्षीय परास्नातक के लिए शर्त निर्धारित है, इसमें केवल चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम की पढ़ाई करने वाले विद्यार्थी ही प्रवेश के लिए पात्र होंगे। वर्तमान शैक्षणिक सत्र में लविवि स्नातक के चौथे वर्ष में दाखिला ले रहा है। ऐसे में इसकी डिग्री पूरी करने वाले विद्यार्थियों के लिए एक वर्षीय परास्नातक कोर्स होगा। अभी लविवि में सिर्फ दोवर्षीय परास्नातक ही संचालित है। इसे भी अब नई शिक्षा नीति के निर्देशन में संशोधित किया गया है।

एक वर्ष और दो वर्ष दोनों परास्नातक कोर्स का नवीन और संशोधित अध्यादेश तैयार है। इस पर एकेडमिक काउंसिल में मुहर लगाई जाएगी। बैठक में सभी महाविद्यालयों और लविवि के शिक्षक व अधिकारी शामिल होंगे। कई अन्य प्रस्ताव भी एकेडमिक काउंसिल में रखे जाएंगे।

एकेडमिक काउंसिल की बैठक में अध्यादेश पर आज लगेगी मुहर

लविवि में कक्षाओं में जातीं छात्राएं। - संवाद

बीएससी गणित की दूसरी आवंटन सूची जारी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रवेश विभाग ने मंगलवार को बीएससी गणित में प्रवेश के लिए दूसरी सीट आवंटन की सूची जारी कर दी। अभ्यर्थी वेबसाइट के एडमिशन पेज पर लॉगिन आईडी और पासवर्ड के माध्यम से सीट आवंटन से जुड़ा विवरण देख सकते हैं। अभ्यर्थी तीन अगस्त तक सीट कंफर्मेशन का शुल्क जमा कर सकते हैं। समस्या आने पर प्रवेश विभाग में संपर्क कर सकते हैं। (संवाद)

एलएलबी इंटीग्रेटेड का ओरिएंटेशन कल

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में पांच वर्षीय एलएलबी इंटीग्रेटेड कोर्स में प्रवेश लेने वाले अभ्यर्थियों का ओरिएंटेशन एक अगस्त को होगा। संकायाध्यक्ष प्रो. बीडी सिंह ने बताया कि नव प्रवेशित अभ्यर्थी विभाग के कक्ष संख्या एक में उपस्थित होना सुनिश्चित करें। (संवाद)

JAGRAN CITY PAGE III

अब सरोजनीनगर में खुलेगा लवि का तीसरा परिसर

जमीन चिह्नित करने के लिए राजस्व विभाग की टीम गठित

जागरण संवाददाता • लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय (लवि) अपने शैक्षणिक विस्तार को आगे बढ़ा रहा है। अब विश्वविद्यालय का तीसरा कैंपस सरोजनीनगर में खोलने की योजना को गति मिली है। यहां पिपरसंड गांव में विश्वविद्यालय के लिए जमीन चिह्नित की जा रही है, जहां विश्वविद्यालय का कृषि संकाय खुलेगा। कृषि शिक्षा को आगे बढ़ाने के लिए यह परिसर उत्तर प्रदेश के लिए उपयोगी रहेगा।

सरोजनी नगर के उप-विभागीय मजिस्ट्रेट (एसडीएम) गोवर्धन कुमार शुक्ला के निर्देशन में इसके लिए भूमि का चिह्नित करने के लिए आठ सदस्यीय समिति बनाई गई है। यह राजस्व टीम पिपरसंड स्थित कृषि विभाग की भूमि का चिह्नांकन कर अपनी रिपोर्ट देगी। इसके बाद विश्वविद्यालय को भूमि का हस्तांतरण किया जाएगा। लखनऊ विश्वविद्यालय के इस तीसरे परिसर में कृषि संकाय की सुविधा होगी। यह कदम विश्वविद्यालय की सुविधाओं के विस्तार के साथ-साथ क्षेत्रीय शिक्षा के स्तर को भी ऊंचा उठाएगा। वर्तमान में विश्वविद्यालय के पास बादशाही बाग और जानकीपुरम विस्तार में दो प्रमुख परिसर हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक राय ने बताया कि पिछले वर्ष कृषि संकाय बनाने के लिए भूमि का प्रस्ताव शासन को भेजा गया था। उस दिशा में अब विश्वविद्यालय आगे बढ़ा है। यह नया परिसर विश्वविद्यालय की शैक्षिक और शोध क्षमताओं को और मजबूत करेगा, खासकर कृषि क्षेत्र में और विस्तार मिलेगा। साथ ही भविष्य में यह परिसर चिकित्सा संकाय को पुनरावृत्ति का आधार भी बन सकता है, जिसमें पैरामेडिकल शिक्षा शामिल होगी।

विश्वविद्यालय में विभाग, प्रोग्राम

संकाय	10
विभाग	47
स्नातक कार्यक्रम	15
परास्नातक कार्यक्रम	16
संस्थान	18
जुड़े कालेज	561

104 वर्ष का विश्वविद्यालय का सफर

- 1865 : लार्ड कैनिंग की स्मृति मे अमीनाबाद में दो कमरों का स्कूल खुला।
- 1866 : इसे कैनिंग कालेज मे अपग्रेड किया गया।
- 1878 : कालेज को बादशाही बाग, हसनगंज मे स्थायी पता मिला।
- 1920 : लखनऊ विश्वविद्यालय बना।
- 1991 : 75 एकड़ भूमि पर विश्वविद्यालय का दूसरा परिसर जानकीपुरम विस्तार में स्थापित हुआ।
- 2024 : लखनऊ विश्वविद्यालय के तीसरे परिसर के लिए जमीन चिन्हित करने की प्रक्रिया शुरू।

लवि का नया परिसर सपने के साकार होने सरीखा : राजेश्वर सिंह

जासं • लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय के तीसरे परिसर के लिए सरोजनीनगर के पिपरसंड गांव में भूमि आवंटित होने पर सरोजनीनगर के विधायक डा. राजेश्वर सिंह इसे अपने सपने को साकार होने का नाम दिया है। मंगलवार को उन्होंने एक्स पर पोस्ट करके लिखकर क्षेत्र के लोगों को बधाई दी। कहा कि सरोजनीनगर तहसील प्रशासन ने भूमि चिन्हित कर ली है, लखनऊ विश्वविद्यालय के इस नए कैंपस से युवाओं, विशेष रूप से इस क्षेत्र छात्र-छात्राओं के लिए नए अवसर सृजित होंगे। कुलपति प्रो. आलोक राय को इसके लिए आभार भी जताया है। नए परिसर के लिए भूमि उपलब्ध कराने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और जिला प्रशासन का आभार जताया है।

गणित का सीट आवंटन शुरू

लखनऊ : लवि बीएससी गणित का दूसरा सीट आवंटन बुधवार को जारी करेगा। अभ्यर्थी तीन बजे के बाद लागिन पासवर्ड के माध्यम से इसे देख सकते हैं। छात्रों को तीन अगस्त तक फीस जमा करनी होगी। (जासं)

ओरिएंटेशन एक से

लखनऊ : लवि के एलएलबी इंटीग्रेटेड पाठ्यक्रम के प्रथम सेमेस्टर में प्रवेशित विद्यार्थियों की ओरिएंटेशन कक्षाएं एक से तीन अगस्त तक कमरा नंबर एक में लगेंगी। विधि संकाय के डीन प्रो. बीडी सिंह ने बताया कि विद्यार्थियों को सुबह 11 बजे पहुंचना होगा। (जासं)

छात्रवृत्ति के लिए आवेदन शुरू

लखनऊ : लवि ने शोध मेधा छात्रवृत्ति के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी है। पीएच.डी छात्राएं 12 अगस्त तक सभी अभिलेखों के साथ आवेदन फार्म अधिष्ठाता छात्र कल्याण कार्यालय में जमा कर सकती हैं। (जासं)

AMRIT VICHAR PAGE 5

ओरिएंटेशन की कक्षाएं 1 अगस्त से शुरू होंगी

अमृत विचार, लखनऊ : लविवि के विधि संकाय के विभागाध्यक्ष डॉ. बीडी सिंह ने बताया कि एलएलबी इंटीग्रेटेड पंचवर्षीय पाठ्यक्रम प्रथम सेमेस्टर की कक्षाएं 1 अगस्त से आरंभ होगी। ओरिएंटेशन को लेकर कक्षा संख्या एक में 1 अगस्त से 3 अगस्त तक विद्यार्थियों को उपस्थित रहना होगा।

आज दूसरे आवंटन का मौका

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में दूसरे आवंटन को लेकर बुधवार अंतिम तिथि निर्धारित की गई है। प्रवेश समन्वयक प्रो. पंकज माथुर ने बताया है कि बीएससी मैथ में मेरिट के अनुसार अभ्यर्थियों की दी गई च्वॉइस फिलिंग को देखते हुए दूसरे आवंटन को लेकर बुधवार को मौका दिया गया है।

पिपरसंड गांव में बनेगा लखनऊ विश्वविद्यालय का तीसरा कैंपस

सरोजनीनगर तहसील में चिह्नित की गई कृषि विभाग की भूमि

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय का तीसरा कैंपस सरोजनीनगर तहसील के पिपरसंड गांव में बनाया जाएगा। इसके लिए कृषि विभाग की भूमि चिह्नित कर ली गई है। आगे की कार्रवाई के लिए आठ सदस्यों की समिति का गठन किया गया है।

सरोजनीनगर विधायक राजेश्वर सिंह ने बताया कि लखनऊ विश्वविद्यालय का तीसरा परिसर सरोजनीनगर तहसील के बिजनौर परगना के पिपरसंड गांव में बनाया जाएगा। सरोजनीनगर के उप-विभागीय मजिस्ट्रेट कार्यालय ने कृषि विभाग की भूमि चिह्नित कर ली गई है। आगे की कार्रवाई के लिए राजस्व निरीक्षक, लेखपाल समेत आठ सदस्यीय टीम बनाई गई है। विधायक ने बताया कि कृषि विभाग की भूमि को लखनऊ विश्वविद्यालय के कृषि संकाय के लिए उपलब्ध कराने के लिए ये टीम रिपोर्ट सौंपेगी।

छात्रों की बढ़ती संख्या के कारण बढ़ी आवश्यकताएं

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि अभी विवि का पहला परिसर बादशाह बाग (हसनगंज) और दूसरा जानकीपुरम एक्सटेंशन में संचालित है। दोनों परिसरों में 22,000 से अधिक विद्यार्थी अध्ययन कर रहे हैं। तीसरा कैंपस छात्रों की बढ़ती जरूरतों को पूरा करेगा। इस कैंपस में नए विकल्प और आयाम भी स्थापित किए जाएंगे। विश्वविद्यालय में कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट (सीयूईटी) के कारण स्नातक और स्नातकोत्तर सीटें भरी जानी हैं। पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आवेदनों की संख्या प्रति वर्ष बढ़ रही है। बढ़ती आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए छात्रों को बहु-विषयक शिक्षा और नए क्षेत्रों और विषयों का अध्ययन करने के लिए अधिक विकल्प प्रदान करने के लिए नया कैंपस कारगर रहेगा।

PIONEER PAGE 3

लविवि का तीसरा कैम्पस पिपरसण्ड में बनेगा, भूमि की पैमाइश को लेकर टीम गठित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय का तीसरा कैम्पस पिपरसण्ड में बनेगा। यहां पर विवि का कृषि संकाय खोला जाएगा। जिसके लिए कृषि विभाग की जमीन चिन्हित की गई। पिपरसण्ड में तीसरे कैम्पस को लेकर सरोजनीनगर विधायक डॉ राजेश्वर सिंह ने विवि के कुलपति को बधाई दी है।

बीकेटी स्थित सीबी गुप्ता कृषि महाविद्यालय विवि से सम्बद्ध है। ऐसे में विवि के सारे नियम-कानून कृषि महाविद्यालय पर लागू होते हैं। नियमतः जिस विषय का संचालन विवि स्तर पर किया जाता है, उसका अपना एक संकाय होना जरूरी है। ऐसे में विवि स्तर पर कृषि संकाय खोलने को लेकर भूमि के लिए दो वर्ष पूर्व शासन को पत्र लिखा गया था। जिसके तहत बिजनौर के अंतर्गत पिपरसण्ड के पास कृषि विभाग की भूमि को संकाय के लिए चिन्हित किया गया है। एसडीएम सरोजनीनगर के स्तर से जारी आदेश में कृषि विभाग की भूमि के चिन्हांकन को लेकर नायब तहसीलदार गोवर्धन कुमार शुक्ला की अध्यक्षता में गठित कमेटी में राजस्व निरीक्षक नरेन्द्र कुमार मिश्र, लेखपाल हरस्वरूप, लेखपाल अभिषेक गुप्ता, लेखपाल विश्राम, लेखपाल सर्वजीत सिंह, लेखपाल विशाल यादव, लेखपाल आजाद वर्मा और लेखपाल सुधीर कुमार शर्मा शामिल हैं।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

लविवि के तीसरे कैंपस के लिए टीम गठित

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के तीसरे कैम्पस कृषि विभाग बनाये जाने के लिए शासन के निर्देश पर जिला प्रशासन ने राजस्व टीम गठित कर दी है।

उप जिलाधिकारी सरोजनीनगर की ओर से जारी निर्देश में आठ सदस्यीय टीम गठित हुई हैं। इसमें ग्राम पिपरसण्ड परगना बिजनौर तहसील सरोजनीनगर जिला लखनऊ में कृषि विभाग की भूमि को लखनऊ विश्वविद्यालय के कृषि संकाय के लिए उपलब्ध कराये जाने के लिए निर्देशित किया गया है। इसके लिए ग्राम पिपरसण्ड स्थित कृषि विभाग की भूमि के चिन्हांकन के लिए गोवर्धन कुमार शुक्ला, नायब तहसीलदार सरोजनीनगर के निर्देशन में 29 जुलाई 2024 से कार्य समाप्ति तक राजस्व टीम गठित हुई है। इसमें नरेन्द्र कुमार मिश्रा, राजस्व निरीक्षक अभावां, हरस्यरूप, क्षेत्रीय लेखपाल, अभिषेक गुप्ता, लेखपाल, विश्राम, लेखपाल, सर्वजीत सिंह, लेखपाल, विशाल यादव लेखपाल, आजाद वर्मा, लेखपाल और सुधीर कुमार शर्मा, लेखपाल हैं। यह टीम ग्राम पिपरसण्ड स्थित कृषि विभाग की भूमि का चिन्हांकन करेगी और विश्वविद्यालय हो देगी।